

B. A. 3rd Semester (General) Examination, 2021

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-1

Time : 2 Hours

Full Marks : 40

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Answer the question either from Group-A or Group-B

Group-A

(Basic Elements of Ayurveda)

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু অষ্টপ্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। 5×8=40
- (অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- a) আয়ুর্বেদস্য অষ্টাঙ্গানি সংক্ষেপেণ নিরূপণীয়ানি।
(আয়ুর্বেদের আটটি অঙ্গ সংক্ষেপে নিরূপণ কর।)
- b) চিকিৎসাশাস্ত্রে চরকসংহিতায়াঃ গুরুত্বং বিচার্যতাম্।
(চিকিৎসা-শাস্ত্রে চরকসংহিতার গুরুত্বং বিচার কর।)
- c) আয়ুর্বেদে সূত্রসংহিতায়াঃ গুরুত্বং সংক্ষেপেণ লিখ্যতাম্।
(আয়ুর্বেদে সূত্রসংহিতার গুরুত্ব সংক্ষেপে লেখ।)
- d) অষ্টাঙ্গসংগ্রহঃ কেন বিরচিতঃ? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে अस्य গ্রন্থस्य अवदानम् आलाचनीयम्।
(অষ্টাঙ্গসংগ্রহ কে রচনা করেছেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে এই গ্রন্থের অবদান আলোচনা কর।)
- e) চিকিৎসাসারসংগ্রহঃ ইত্যস্য আয়ুর্বেদগ্রন্থস্য উপরি एका टीका प्रदेया।
(চিকিৎসাসারসংগ্রহ—এই আয়ুর্বেদগ্রন্থ সম্বন্ধে टीका লিখ।)
- f) আয়ুর্বেদশাস্ত্রে ভাবমিশ্রস্য অবদানम् आलाचनीयम्।
(আয়ুর্বেদশাস্ত্রে ভাবমিশ্রের অবদান আলোচনা কর।)
- g) কৌমারভূতাত্ত্ববিষয়ে সংক্ষিপ্তা टीका विरचनीया।
(কৌমারভূতাত্ত্ব সম্বন্ধে সংক্ষিপ্ত टीका লিখ।)
- h) रसरत्नाकरः केन विरचितः? आयुर्वेदशास्त्रे अस्य ग्रन्थस्य उपयोगिता विचारनीया।
(রসরত্নাকর কে রচনা করেছেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে এই গ্রন্থের उपयोगिता বিচার কর।)
- i) आयुर्वेदस्य किं लक्षणम्? आयुर्वेदशास्त्रस्य उৎसृष्टानां समुपस्थाप्यताम्।
(আয়ুর্বেদের লক্ষণ কি? আয়ুর্বেদশাস্ত্রের উৎসৃষ্টানটি উপস্থাপন কর।)

- j) चरकसंहितामनुसृत्य आयुर्वेदशास्त्रस्य अष्टस्थानानि व्याख्यातव्यानि।
(चरकसंहिता अनुसरणे आयुर्वेदशास्त्रेण आठटि स्थान व्याख्या कर।)

Group-B

(Yogasutra of Patanjali)

5×8=40

अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु अष्टप्रश्नाः समाधेयाः।

(अधोलिखित प्रश्नसमूहेण मध्ये ये कोन आठ'टि प्रश्नेण उतुर दाणः)

- a) पातञ्जलयोगस्य अष्टाङ्गानि निरूपणीयानि।
(पातञ्जलयोगेण आठटि अङ्ग निरूपण कर।)
- b) “अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः” —व्याख्यायताम्।
“अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः” —व्याख्या कर।
- c) योगशब्देन किं बुध्यते? केन प्रकारेण स आयत्तीक्रियते?
(योग बलते कि बोळाय? ता किभावे आयत्तु हय?)
- d) प्राणायामस्वरूपम् आलोच्यताम्।
(प्राणायामेण स्वरूप आलोचना कर।)
- e) “योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः” इति सूत्रं व्याख्यायताम्।
(“योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः” —एइ सूत्रटि व्याख्या कर।)
- f) काः तावत् चित्तभूमयः? तासां स्वरूपं संक्षेपेण आलोच्यताम्।
(चित्तभूमिणुलि कि कि? तादेण स्वरूप संक्षेपे आलोचना कर।)
- g) “अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः” —अत्र कस्य निरोधविषये किं विधीयते?
“अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः” —एथाने किसेण निरोध सम्बन्धे कि विधान देणया हयेछे?)
- h) आसनस्वरूपम् आलोच्यताम्।
(आसनेण स्वरूप आलोचना कर।)
- i) को नाम अभ्यासः? स कथं दृढभूमिः भवति?
(अभ्यास कके बले? ता किभावे दृढभूमि प्राप्तु हय?)
- j) टीका लेख्या (द्वयोः) (ये कोन दुटिण टीका लेख।)
अपरिग्रहः, परवैराग्यम्, चित्तवृत्तयः।